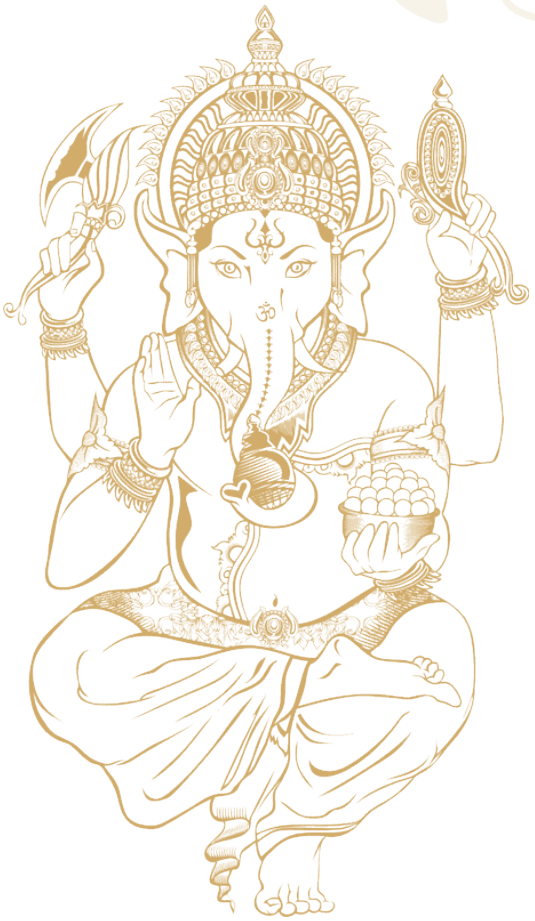

Soumya Kumari

13 Sep 2005

01:35 PM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 119271804

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**13/09/2005**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**13:35:00 घंटे**
इष्ट	19:59:04 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:45:00 घंटे
वेलान्तर	00:04:01 घंटे
साम्पातिक काल	13:14:40 घंटे
सूर्योदय	05:35:22 घंटे
सूर्यास्त	17:56:04 घंटे
दिनमान	12:20:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	26:42:03 सिंह
लग्न के अंश	12:40:38 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सौभाग्य
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	फा-फाल्गुनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	12:40:38	341:01:31	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			सिंह	26:42:03	00:58:24	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	स्वराशि
चंद्र			धनु	20:56:20	14:22:58	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
मंगल			मेष	27:01:35	00:14:50	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	स्वराशि
बुध		अ	सिंह	22:23:57	01:54:12	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
गुरु			कन्या	26:58:39	00:12:03	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	07:59:18	01:09:27	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मूलत्रिकोण
शनि			कर्क	13:15:45	00:06:20	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	19:53:24	00:02:03	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	19:53:24	00:02:03	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	14:21:53	00:02:19	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप	व		मक	21:22:20	00:01:15	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	27:55:16	00:00:21	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			कन्या	26:16:45	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:08

लग्न-चलित

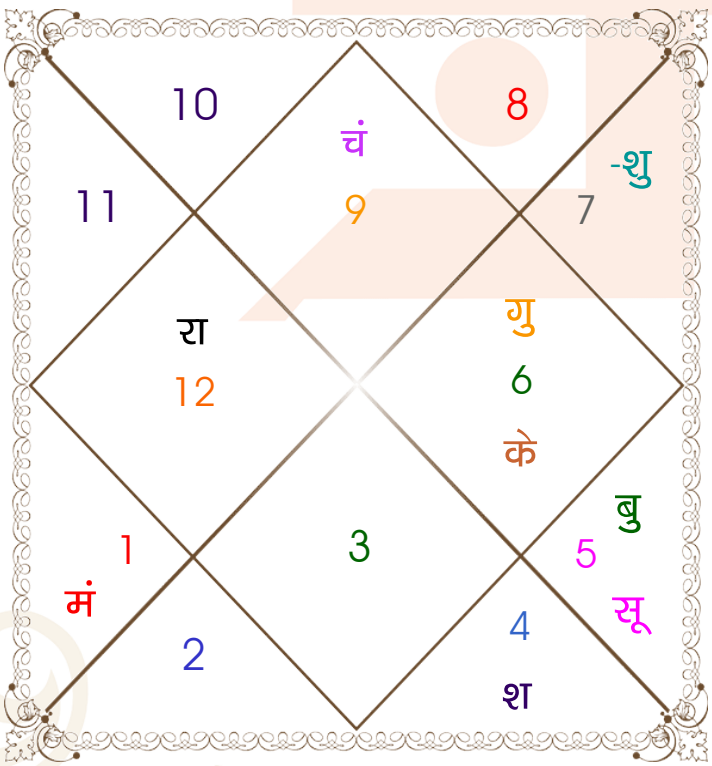

चन्द्र कुंडली

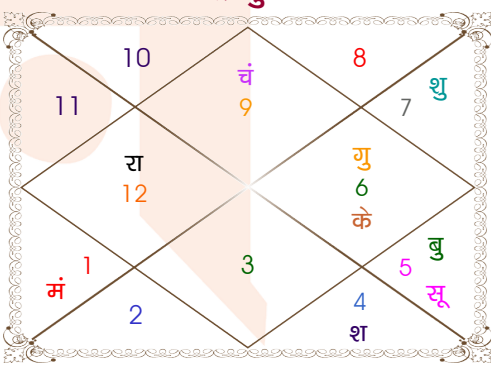

नवमांश कुंडली

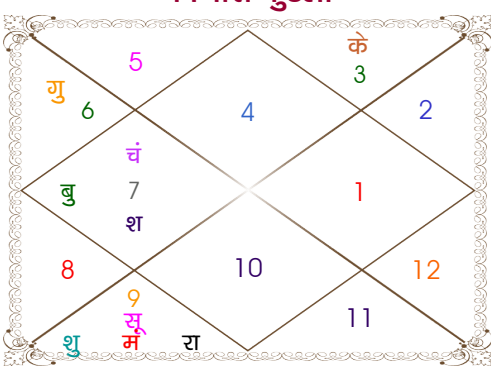

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 8 वर्ष 7 मास 3 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
13/09/2005		17/04/2014		17/04/2020		17/04/2030		17/04/2037	
17/04/2014		17/04/2020		17/04/2030		17/04/2037		17/04/2055	
	00/00/0000	सूर्य	05/08/2014	चंद्र	15/02/2021	मंगल	13/09/2030	राहु	29/12/2039
	00/00/0000	चंद्र	03/02/2015	मंगल	16/09/2021	राहु	02/10/2031	गुरु	24/05/2042
	00/00/0000	मंगल	11/06/2015	राहु	18/03/2023	गुरु	07/09/2032	शनि	30/03/2045
	00/00/0000	राहु	05/05/2016	गुरु	17/07/2024	शनि	17/10/2033	बुध	17/10/2047
	13/09/2005	गुरु	21/02/2017	शनि	15/02/2026	बुध	14/10/2034	केतु	04/11/2048
गुरु	16/02/2007	शनि	03/02/2018	बुध	18/07/2027	केतु	12/03/2035	शुक्र	04/11/2051
शनि	17/04/2010	बुध	11/12/2018	केतु	16/02/2028	शुक्र	11/05/2036	सूर्य	28/09/2052
बुध	15/02/2013	केतु	17/04/2019	शुक्र	17/10/2029	सूर्य	16/09/2036	चंद्र	30/03/2054
केतु	17/04/2014	शुक्र	17/04/2020	सूर्य	17/04/2030	चंद्र	17/04/2037	मंगल	17/04/2055

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
17/04/2055		17/04/2071		17/04/2090		18/04/2107		18/04/2114	
17/04/2071		17/04/2090		18/04/2107		18/04/2114		00/00/0000	
गुरु	05/06/2057	शनि	20/04/2074	बुध	13/09/2092	केतु	15/09/2107	शुक्र	18/08/2117
शनि	17/12/2059	बुध	28/12/2076	केतु	10/09/2093	शुक्र	14/11/2108	सूर्य	18/08/2118
बुध	24/03/2062	केतु	06/02/2078	शुक्र	11/07/2096	सूर्य	21/03/2109	चंद्र	18/04/2120
केतु	28/02/2063	शुक्र	08/04/2081	सूर्य	17/05/2097	चंद्र	21/10/2109	मंगल	18/06/2121
शुक्र	29/10/2065	सूर्य	21/03/2082	चंद्र	17/10/2098	मंगल	19/03/2110	राहु	18/06/2124
सूर्य	17/08/2066	चंद्र	20/10/2083	मंगल	14/10/2099	राहु	06/04/2111	गुरु	14/09/2125
चंद्र	17/12/2067	मंगल	28/11/2084	राहु	03/05/2102	गुरु	12/03/2112		00/00/0000
मंगल	22/11/2068	राहु	05/10/2087	गुरु	08/08/2104	शनि	21/04/2113		00/00/0000
राहु	17/04/2071	गुरु	17/04/2090	शनि	18/04/2107	बुध	18/04/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 8 वर्ष 6 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।